बाघ दिवस — क्षेत्रवासियों के समर्पण से पुष्पित और पल्लवित हो रही महाराजा मार्तण्ड सिंह की धरोहर

बांधवगढ़ ने संजोई है बाघ संरक्षण की विरासत

चिल्हारी उमरिया, नवभारत 29 जुलाई। आज अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस है। इस अवसर पर पूरी दुनिया जंगल के राजा कहे जाने वाले बाघ के संरक्षण और संवर्धन का संकल्प लेती है।

जिले के लोग इस लिहाज से बेहद सौभाग्यशाली हैं कि यहां की कई पीढ़ियों ने बाघों और अन्य दुर्लभ वन्यजीवों के साथ अपना जीवन व्यतीत किया है। बुजुर्ग बताते हैं कि इस गौरवशाली धरोहर को संजोने और संरक्षित करने मे रीवा के महाराजा मार्तण्ड सिंह जूदेव का महत्वपूर्ण योगदान है। जिन्होंने न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया को दुर्लभसफेद बाघ की सौगात दी, बल्कि अपनी सैकड़ों एकड़ निजी भूमि भी वन्यजीव संरक्षण के लिए सरकार को समर्पित कर दी।

इंदिरा गांधी के समक्ष रखा था प्रस्ताव

बताया जाता है कि महाराजा मार्तण्ड सिंह जूदेव सीधी के जंगलों से एक सफेद शेर लेकर आए थे, जिसका नाम उन्होंने मोहन रखा। मोहन को गोविंदगढ़ किले में रखा गया, जहां उसकी देखरेख के लिए अंग्रेज वार्डन नियुक्त किया गया था। प्रारंभ में यह आशंका जताई गई कि बाघ किसी बीमारी या चर्म रोग के कारण सफेद हो गया है, लेकिन कई जांचों और शोधों के बाद यह प्रमाणित हुआ कि वह वास्तव मे दुर्लभ सफेद बाघ था। मोहन पर हुए शोधों ने भारत को ही नहीं, पूरी दुनिया को सफेद बाघ की अनमोल थाती से परिचित कराया।

दुनिया में प्रसिद्ध हुए सीता और चार्जर

यहां की सीता बाघिन और चार्जर बाघ देश ही नहीं दुनिया भर में मशहूर रहे। एक समय ऐसा था जब पर्यटकों का बांधवगढ़ भ्रमण इन दोनों के बिना अधूरा माना जाता था। सीता और चार्जर पर बनी डॉक्यूमेंट्री ने भी विश्व स्तर पर प्रसिद्धि हासिल की।

गौरव ही नहीं रोजगार का भी आधार

मध्यप्रदेश को टाइगर स्टेट के रूप मे मिली पहचान मे बांधवगढ़ का महत्वपूर्ण योगदान है। पिछली गणना के दौरान यहां बाघों की संख्या लगभग 165 दर्ज की गई थी, जो अब बढ़कर करीब 200 के आसपास पहुंच गई है। आज बांधवगढ़ न केवल बाघों और अन्य वन्य प्राणियों के संरक्षण एवं संवर्धन का प्रमुख केंद्र बन चुका है, बल्कि हजारों लोगों के रोजगार का आधार भी है।

छिंदी टोला में बाइक टकराई, दो युवक घायल

हादसे के बाद स्वास्थ्य केंद्र में नहीं मिली एंबुलेंस

भुआबिछिया, अंजनिया। बिछिया विकासखंड के अंजनिया चौकी क्षेत्र के अंतर्गत छिंदी टोला गांव के पास एक पुलिस वाहन और बाइक में भिड़ंत हो गई। इस हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को अंजनिया स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला चिकित्सालय मंडला रेफर कर दिया गया। लेकिन समय पर एंबुलेंस न मिलने के कारण परिजनों को निजी वाहन का सहारा लेना पड़ा। एएसआई राजेश सराठे ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि अंजनिया चौकी पुलिस अपने शासकीय वाहन से बाढ़ प्रभावित क्षेत्र मांद की ओर चिकनियाँ नाला का जायजा लेने जा रही थी। इसी दौरान छिंदी टोला के समीप सामने से आ रही एक बाइक पुलिस वाहन से टकरा गई। हादसे में कांसखेड़ा निवासी परशु यादव और बघरौड़ी निवासी देवा धुर्वे गंभीर रूप से घायल हो गए।

एंबुलेंस नहीं मिलने से परिजनों में आक्रोश

हादसे के तुरंत बाद पुलिस ने घायलों को स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें मंडला जिला अस्पताल रेफर कर दिया। परिजनों का आरोप है कि रेफर किए जाने के बाद अस्पताल में काफी देर तक एंबुलेंस उपलब्ध नहीं हो सकी। अंततः उन्हें निजी वाहन से घायलों को मंडला ले जाना पड़ा। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने भी क्षेत्र की स्वास्थ्य और आपातकालीन व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

एक नजर में

नशा मुक्ति अभियान में शामिल हुए छात्र

चिल्हारी उमरिया। पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमरपुर विकासखंड मानपुर जिला उमरिया में जिला शिक्षा अधिकारी भूपेंद्र बरकड़े के निर्देशानुसार विद्यालय में नशा मुक्ति भारत अभियान एवं राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम, माई भारत एप रजिस्ट्रेशन उमंग उज्वल कार्यक्रम में कक्षा 9से 12 के छात्रों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी त्रिवेदी, ब्लाक काऊसलर पूनम मिश्रा मास्टर ट्रेनर आकांक्षा सिंह, विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य पवन चतुर्वेदी एवं सभी शिक्षक छात्र/ छात्राओं की उपस्थिति रही।

लघु तीर्थ क्षेत्र पिंडरई में आज होगी चातुर्मासिक कलश स्थापना

नैनपुर। मंडला जिले के नैनपुर ब्लाक के लघु तीर्थ क्षेत्र और व्रती नगरी के रूप में विख्यात पिंडरई में आज 30 जुलाई को भव्य चातुर्मासिक कलश स्थापना समारोह का आयोजन किया जा रहा है। यह मंगलकारी आयोजन परम पूज्य आचार्य भगवन श्री विद्यासागर महाराज एवं पूज्य आचार्य श्री समयसागर महाराज की आज्ञानुवर्ती शिष्या, परम वंदनीय आर्यिका मां अनंत मति माता जी की संघस्थ वंदनीय आर्यिका मां विमल मति माता जी ससंघ के पावन सानिध्य में संपन्न होगा। सकल दिगम्बर जैन समाज, पिंडरई के अध्यक्ष चौधरी कैलाश चंद्र ने भारतवर्षीय सकल दिगम्बर जैन समाज को इस धर्ममयी आयोजन में शामिल होने के लिए सादर आमंत्रित किया है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से आह्वान किया है कि वे विद्या रूपी समय के सागर की अनंत विमल सरिताओं में डुबकी लगाकर अपने जीवन को कृतार्थ करें और इस ऐतिहासिक पल का साक्षी बनें।

बदमाश गिरफ्तार, पिस्टल सहित चार कारतूस जब्त

जबलपुर। पनागर पुलिस ने एक बदमाश को गिरफ्तार किया है जिसके कब्जे से एक पिस्टल, चार कारतूस जब्त किए गए है। थाना प्रभारी विपिन बिहारी सिंह ने बताया कि उर्दूआखुर्द में घेराबंदी कर रमन पटेल 35 वर्ष निवासी उर्दुआ खुर्द थाना पनागर को पकड़ा गया जो तलाशी लेने पर लोवर के बाये जेब में 1 पिस्टल एवं बाये जेब में 4 कारतूस रखे मिला, पिस्टल के सम्बंध मे पूछताछ करने पर ग्राम बरबटी, वर्तमान पता नीमखेडा बरेला निवासी जित्तू महोबिया से नीमखेडा में पिस्टल व 4 कारतूस 35 हजार मे खरीदना बताया।

कन्या शिक्षा परिसर की प्राचार्य पर वैधानिक कार्यवाही की मांग

नवभारत उमरिया 29 जुलाई। कन्या शिक्षा परिसर की पूर्व प्राचार्य सरिता जैन को छात्र वृत्ति और अन्य वित्तीय अनियमितताओं में दोषी पाये जाने के बाद निलंबन और पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग को लेकर अंबेडकर चौक में दो युवक दूसरे दिवस भी आमरण अनशन पर डटे हुए रहे। विदित होवे की कन्या शिक्षा परिसर पाली की प्राचार्य पर कन्या शिक्षा परिसर की छात्राओं के बैंक खाते में आयी छात्रवृत्ति को निकलवा कर अपने हाथों में लिये जाने की शिकायत कलेक्टर उमरिया और संभागीय उपायुक्त आदिवासी विकास शहडोल से की गयी थी। जिस पर जांच दल गठित कर करायी गयी थी। इस कार्यवाही को अपर्याप्त मानते हुए नगर के युवा अधिवक्ता बसंत तिवारी और युवा अरूण विश्वकर्मा ने विधिवत कलेक्टर उमरिया को ज्ञापन सौंपते हुये बीते दिवस से आमरण अनशन पर बैठ गयें है। इन सत्याग्रहियों का कहना है कि वित्तीय अनियमितताओं में दोषी पाये जाने के बाद न तो सरिता जैन के ऊपर निलंबन की कार्यवाही की गयी और न ही पुलिस में प्राथमिकी दर्ज करायी गयी, जो नियम विरूद्ध है। इस मामले में अनशन पर बैठे युवाओं ने आरोप लगाया है कि दोषियों को बचाने की चाल चली जा रही है। सत्याग्रहियों ने कहा कि जब तक इस मामले में वैधानिक कार्यवाही नहीं की जायेगी यह आमरण अनशन का सत्याग्रह चलता रहेगा, इस आमरण अनशन को छात्राओं के अभिभावकों का समर्थन भी मिल रहा है।

सरकार के गौ-संरक्षण के दावों की खुली पोल, लोग हो रहे परेशान

एनएच-10 मार्ग की गलियों में गौवंश का कब्जा

उमरिया। चिल्हारी उमरिया एक ओर मध्य प्रदेश सरकार गौ माता की रक्षा, गौशालाओं के संचालन और गौ संवर्धन के बड़े-बड़े दावे करती है, वहीं दूसरी ओर उमरिया जिले के मानपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम चिल्हारी, अमरपुर, पलझा, पनपथा सहित एनएच-10 मार्ग पर शाम ढलते ही सैकड़ों की संख्या में आवारा गौवंश सड़कों पर बैठ जाता है। यही स्थिति गांवों की मुख्य गलियों और सार्वजनिक मार्गों पर भी देखने को मिल रही है।

रात के समय तेज रफ्तार वाहनों के बीच सड़क पर बैठे गौवंश के कारण हर पल बड़े हादसे का खतरा बना रहता है। कई बार वाहन चालक अचानक सामने आए गौवंश को बचाने के प्रयास में दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं। इसके बावजूद प्रशासन और संबंधित विभाग की ओर से कोई प्रभावी कार्रवाई नजर नहीं आ रही है।

पर्याप्त गौशालाओं की व्यवस्था नहीं

ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में पर्याप्त गौशालाओं की व्यवस्था नहीं है और जो व्यवस्थाएं हैं, वे भी आवारा गौवंश को समुचित संरक्षण देने में नाकाम साबित हो रही हैं। परिणामस्वरूप गौवंश भूखा-प्यासा सड़कों और गलियों में भटकने को मजबूर है। इससे न केवल यातायात प्रभावित हो रहा है, बल्कि किसानों की फसलें भी नुकसान का शिकार हो रही हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब सरकार गौ संरक्षण को अपनी प्राथमिकता बताती है, तो फिर गौ माता सड़कों पर बेसहारा क्यों घूम रही हैं? क्या शासन-प्रशासन किसी बड़ी दुर्घटना या जनहानि का इंतजार कर रहा है? आखिर गौशालाओं पर खर्च होने वाले करोड़ों रुपये का लाभ धरातल पर क्यों दिखाई नहीं दे रहा?

आवारा गौवंश को तत्काल गौशालाओं में पहुंचाया जाए

स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन और राज्य सरकार से मांग की है कि आवारा गौवंश को तत्काल सुरक्षित गौशालाओं में पहुंचाया जाए, उनकी देखभाल की समुचित व्यवस्था की जाए तथा राष्ट्रीय राजमार्ग और ग्रामीण सड़कों को आवारा पशुओं से मुक्त कर दुर्घटनाओं पर रोक लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। अन्यथा भविष्य में होने वाली किसी भी दुर्घटना की जिम्मेदारी संबंधित विभाग और प्रशासन की होगी।

रेलवे स्टेशन पर जनता खाना गायब, सस्ती थाली के लिए यात्री परेशान

नैनपुर। भारतीय रेलवे द्वारा आम यात्रियों को किफायती दर पर पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू किया गया 'जनता खाना' (जनता मील) नैनपुर रेलवे स्टेशन पर बदहाली और लापरवाही का शिकार हो गया है। स्टेशन प्रबंधक की मनमानी से नैनपुर स्टेशन के स्टॉलों पर 15 में मिलने वाला यह बजट-फ्रेंडली भोजन पूरी तरह से गायब है, जिससे जनरल बोगी और मध्यम वर्ग के रेल यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

क्या है पूरा मामला

रेलवे बोर्ड के दिशा-निर्देशों के अनुसार, हर प्रमुख रेलवे स्टेशन के कैटरिंग स्टॉलों और पैंट्री पर 15 से 20 रूपए में 7 पूरी (175 ग्राम), आलू की सूखी सब्जी (150 ग्राम) और अचार युक्त 'जनता खाना' उपलब्ध कराना अनिवार्य है। लेकिन नैनपुर स्टेशन पर स्थिति इसके ठीक उलट है। विकल्पों का अभाव: प्लेटफॉर्म पर बने वेंडरों और स्टॉल संचालकों द्वारा जनता खाना उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। वेंडर कम मुनाफे के कारण जनता खाना रखने से कतराते हैं और यात्रियों को 80 से 150 तक के महंगे प्राइवेट फूड पैकेट्स या फास्ट फूड खरीदने पर मजबूर होना पड़ रहा है। किफ़ायती खाने के साथ मिलने वाला सस्ता पेयजल भी यात्रियों को आसानी से नहीं मिल पा रहा है।

यात्रियों का छलका दर्द

रमेश यादव, यात्री ने बताया कि 'हम मजदूर और सामान्य श्रेणी के यात्री 20-30 में पेट भरने की उम्मीद लेकर स्टेशन उतरते हैं। यहां स्टॉल वाले साफ मना कर देते हैं कि जनता खाना खत्म हो गया है या आता ही नहीं है। मजबूरी में ज्यादा पैसे देकर महंगा खाना खरीदना पड़ता है। वेंडरों का कहना है कि 15 से 20 वाले पैकेट में मार्जिन बहुत कम होता है, जिससे वे इसे बनाने और बेचने में रुचि नहीं दिखाते।

निरीक्षण की कमी: खान-पान निरीक्षक और संबंधित रेल अधिकारियों द्वारा नियमित जांच न होने से ठेकेदारों की मनमानी बढ़ गई है।

सप्लाई चेन में अड़चन: आईआरसीटीसी के बेस किचन से स्टॉलों तक जनता खाने की पर्याप्त आपूर्ति समय पर नहीं पहुंच रही है।

प्रशासन से मांग- स्थानीय यात्रियों और यात्री उपभोक्ता समितियों ने रेल प्रशासन (दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे / संबंधित मंडल) से मांग की है कि नैनपुर स्टेशन पर जनता खाने की उपलब्धता तुरंत सुनिश्चित की जाए।

नशा मुक्त समाज के निर्माण का लिया संकल्प

शहपुरा नवभारत 29 जुलाई। प्रदेशभर में चलाए जा रहे 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान के तहत मंगलवार को जनपद पंचायत शहपुरा कार्यालय में नशा मुक्ति जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचीं स्व-सहायता समूह की दीदियों, ग्राम पंचायतों के सचिवों, सरपंचों, जनप्रतिनिधियों तथा जनपद पंचायत के अधिकारियों-कर्मचारियों ने नशा मुक्त समाज के निर्माण का सामूहिक संकल्प लेते हुए शपथ ग्रहण की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अधिकारियों ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि परिवार, समाज और आने वाली पीढ़ी के भविष्य को भी प्रभावित करता है। इसलिए प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह स्वयं नशे से दूर रहे और अपने गांव एवं आसपास के लोगों को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करे।

इनकी रही उपस्थिति

इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) शहपुरा ऐश्वर्य वर्मा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत शाहपुरा गणेश पांडे तथा जनपद उपाध्यक्ष जितेंद्र चंदेल विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इनके साथ जनपद पंचायत शहपुरा का समस्त स्टाफ, ग्राम पंचायतों के सचिव, सरपंच, स्व-सहायता समूह की दीदियां एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन कार्यक्रम में शामिल हुए।

सरस्वती शिशु विद्यालय में मना उल्लास के साथ गुरु पूर्णिमा पर्व

भुआ-बिछिया। भारतीय संस्कृति के संवाहक एवं संस्कारों के केंद्र सरस्वती शिशु उच्च माध्यमिक विद्यालय, भुआ-बिछिया में आषाढ़ पूर्णिमा के पावन अवसर पर गुरु पूर्णिमा का पर्व अत्यंत श्रद्धा, अनुशासन और अभूतपूर्व उत्साह के साथ मनाया गया। जगमंडल बाल कल्याण समिति, कन्या भारती तथा किशोर भारती के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस भव्य समारोह में प्राचीन भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा की सजीव और अलौकिक झलक देखने को मिली।

गरिमामयी उपस्थिति- कार्यक्रम का शुभारंभ माँ भारती और आद्या शक्ति माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं वंदना के साथ हुआ। इस पावन अवसर पर क्षेत्र के कई गणमान्य एवं प्रतिष्ठित महानुभावों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनके मार्गदर्शन से कार्यक्रम की शोभा और अधिक बढ़ गई। किशोरी साहू (जिला सचिव, मंडला), राजेन्द्र साहू, रिखी राम परस्ते, अरुण मिश्रा, राम बहोरी पटेल, प्रहलाद मरकाम सुमित रजक, सोनल अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट विद्यालय में गुरु पूर्णिमा पर हुआ शिक्षकों का सम्मान

डिंडोरी, नवभारत 29 जुलाई। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय डिंडोरी में गुरुपूर्णिमा पर्व श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक ओमकार मरकाम रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष रुद्रेश परस्ते, जिला पंचायत उपाध्यक्ष एवं शिक्षा स्थायी समिति अध्यक्ष अंजू जितेन्द्र ब्यौहार, नगर परिषद अध्यक्ष सुनीता सारस, कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया तथा जिला शिक्षा अधिकारी सुमन परस्ते उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ महर्षि सांदीपनि एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं पूजन-अर्चन के साथ किया गया। इस अवसर पर उत्कृष्ट विद्यालय के सेवानिवृत्त प्राचार्य सी.बी. उरैती, सनमत जैन, आर.एस. मरावी तथा ए.बी. मंसूरी सहित सेवानिवृत्त शिक्षकों का माला एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। विद्यालय के विद्यार्थियों ने भी सभी शिक्षकों का तिलक लगाकर एवं पुष्पमालाएं पहनाकर अभिनंदन किया।

विद्यार्थियों को प्राप्त हो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा-ओमकार मरकाम- अपने संबोधन में विधायक ओमकार मरकाम ने अपने गुरुओं को नमन करते हुए कहा कि देश का समग्र विकास तभी संभव है, जब प्रत्येक विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हो। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए बताया कि उन्होंने भी शासकीय विद्यालय में अध्ययन कर शिक्षा प्राप्त की है। उन्होंने कहा कि आज चैटजीपीटी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के दौर में भी शिक्षक ही विद्यार्थियों को संस्कार, अनुशासन और जीवन मूल्यों की शिक्षा प्रदान करते हैं।

आयोजन — कान्हा राष्ट्रीय उद्यान के सीमावर्ती ग्रामों में बाघ संरक्षण सप्ताह का समापन

प्रतियोगिताओं के जरिए दिया बाघ बचाओ का संदेश

भुआबिछिया। विश्व बाघ दिवस के अवसर पर कान्हा राष्ट्रीय उद्यान के ब्लाक भुआबिछिया के खटिया परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सीमावर्ती ग्राम बटवार, धमनगांव और पटपरा में बाघ संरक्षण को लेकर विशेष जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय उद्यान से 2 किलोमीटर के दायरे में स्थित इन गांवों में पूरे सप्ताह विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीणों और छात्र-छात्राओं को वन्यप्राणियों के संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया।

विभिन्न प्रतियोगिताओं और रैली का हुआ आयोजन :

कार्यक्रम के दौरान गांवों में बाघ संवाद, चित्रकला प्रतियोगिता, मुखौटा निर्माण, खेल और निबंध प्रतियोगिता जैसी अनेक रचनात्मक गतिविधियां आयोजित की गईं। बाघों को बचाने के लिए निरंतर जन-जागरूकता रैलियां निकाली गईं, जिसमें आम जनता से वन्यजीवों के संरक्षण की अपील की गई। इन आयोजनों में स्कूली छात्रों और शिक्षकों के साथ-साथ राष्ट्रीय उद्यान कान्हा के कर्मचारियों ने भी सक्रिय रूप से अपनी भागीदारी सुनिश्चित की।

पर्यावरण मंत्रालय द्वारा चयनित हुए तीन स्कूल : इस कार्यक्रम का मार्गदर्शन पर्यावरणविद् राजेश क्षत्री द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि भारत सरकार के पर्यावरण मंत्रालय एवं पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन भोपाल के निर्देशन में मंडला जिले के कान्हा राष्ट्रीय उद्यान से लगे तीन स्कूलों को इस विशेष अभियान के लिए चयनित किया गया है। इनमें शासकीय माध्यमिक शाला बटवार, प्राथमिक शाला धमनगांव और प्राथमिक शाला पटपरा शामिल हैं।

टाइगर रिजर्व में बाघ संरक्षण पखवाड़े का समापन

20 हजार से अधिक लोगों को किया गया जागरूक

भुआबिछिया। विश्व बाघ दिवस के अवसर पर कान्हा टाइगर रिजर्व मंडला में बाघ संरक्षण के प्रति व्यापक जागरूकता लाने के उद्देश्य से 14 जुलाई से 29 जुलाई तक विशेष बाघ संरक्षण पखवाड़ा का आयोजन किया गया। क्षेत्र संचालक रविन्द्र मनी त्रिपाठी और उप संचालक कोर एवं बफर के मार्गदर्शन में सभी 13 परिक्षेत्रों में हुए इन आयोजनों के माध्यम से 20 हजार से अधिक लोग जिनमें विद्यार्थी, युवा, महिलाएं और चरवाहे तक वन एवं वन्यजीव संरक्षण का संदेश सफलतापूर्वक पहुँचाया गया।

पखवाड़े के दौरान कई अभिनव कार्यक्रम आयोजित हुए। स्कूलों में बाघ संवाद और हर उम्र के लोगों के लिए बघवा संगत का आयोजन किया गया। बच्चों की पाती बाघ के नाम कार्यक्रम के जरिए बच्चों ने बाघों को पत्र लिखकर अपने विचार साझा किए। वहीं, शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता रैलियां निकाली गईं। चरवाहा सम्मेलन और कान्हा मित्र दल सम्मेलन के माध्यम से कान्हा मित्र व बाघिन दीदी बनाकर लोगों को वन्यजीव संरक्षण से जोड़ा गया। क्षेत्र संचालक ने मंडला और बालाघाट जिले के प्राचार्यों के जरिए स्कूली बच्चों से सीधा संवाद कर उन्हें बाघों के महत्व से अवगत कराया। माँ नर्मदा के महिष्मति घाट पर विशेष पूजन-आरती कर बाघ रहे ताकि नर्मदा बहे की थीम पर संरक्षण का संदेश दिया गया। साथ ही, कार्यालय में समस्त स्टाफ को उनके कर्तव्यों के प्रति सजग रहने की शपथ दिलाई गई।

राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर मिली सराहना

कान्हा रिज़र्व के इन अभिनव प्रयासों की गूंज राष्ट्रीय स्तर पर भी रही। भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कान्हा टाइगर रिजर्व की घासों पर आधारित एक चित्र-युक्त पुस्तक का विमोचन किया। इस दौरान वन्यजीव संरक्षण में उत्कृष्ट कार्य के लिए वन रक्षक चंद यादव और प्रदीप कुमार भारतिया को सम्मानित किया गया।